बुधवार
29 नवंबर 2023

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

उत्तर कोयल सिंचाई परियोजना नहर जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ

खबरें फटाफट

राष्ट्रीय प्रोटोकॉल लॉन्च दिव्यांग बच्चों को किया जा सकेगा ट्रैक

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को राष्ट्रीय प्रोटोकॉल लॉन्च किया। जो आंगनवाड़ी कार्यकताओं को दिव्यांगों बच्चों को ट्रैक करने और उनकी मदद करने में मदद करेगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि पहली बार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता इस मुद्दे पर जागरूकता फैला रहे हैं। स्मृति ईरानी ने कहा, पहली बार आंगनवाड़ी बहनों ने जागरूक किया है कि दिव्यांग समाज के लिए कोई चुनौती नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमें मालूम है कि बच्चों में 85 फीसदी दिमाग का विकास छह वर्ष की आयु तक ही हो जाता है। आज हमारी शिक्षा प्रणाली में दिव्यांगों के लिए नए प्रावधान हैं। दिव्यांग बच्चों के लिए जमीनी स्तर पर डेटा आंगनवाड़ी कार्यकताओं से मिल जाएगा।

खिलाड़ियों का भविष्य संवारने के लिए सरकार देगी हर तरह का सहयोग: सीएम योगी

- मुख्यमंत्री योगी ने सैयद ने मोदी नेशनल इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप का किया शुभारंभ
- योगी बोले- खेल गतिविधियों में आई तेजी के चलते पहले की तुलना में कई गुना अधिक पदक प्राप्त कर रहे हमारे खिलाड़ी

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में खेलों की गतिविधियों ने एक नई तेजी पकड़ी है। स्वाभाविक रूप से देश के अंदर खेलों की गतिविधियां आगे बढ़ेंगी तो प्रदेश उससे खुद को कैसे अलग कर सकता है। एशियन गेम्स में ये चमत्कार हम सबने देखा है। देश की 16 प्रतिशत आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती है, लेकिन जब मेडल्स की बात आती है तो एशियन गेम्स में 25 प्रतिशत मेडल्स उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने जीते हैं। वर्ल्ड चैंपियनशिप की यह बैडमिंटन प्रतियोगिता न केवल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करेगी, बल्कि उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए भी एक मंच प्रदान कर रही है। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ करते हुए कहीं। शीतकालीन सत्र के बीच में प्रतियोगिता के उद्घाटन के लिए पहुंचे सीएम योगी ने सभी खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त करने के साथ प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। उत्तर प्रदेश बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष विराज सागर दास ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

प्रदेश में 2014 के बाद खेल गतिविधियों ने पकड़ी रफ्तार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम सब जानते हैं कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी जी की पहल पर नए भारत में खेलकूद की गतिविधियों ने एक नई गति पकड़ी है। खेलो इंडिया खेलो के अभियान को गति देने के बाद फिट इंडिया मूवमेंट हो, ग्रामीण स्तर पर सांसद खेलकूद प्रतियोगिताओं को आगे बढ़ाने का कार्यक्रम हो, पूरे देश के अंदर इसके परिणाम हम सबके सामने आए हैं। आज इसी का परिणाम है कि ओलंपिक में हमारे खिलाड़ी पहले की तुलना में कई गुना अधिक पदक प्राप्त करते हैं। अभी हाल ही में एशियन गेम्स में हमने भारत के खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखा है। पहली बार एशियन गेम्स में हमारे खिलाड़ियों ने 100 का आंकड़ा पार किया है और पैरा एशियन गेम्स में भी हमारे खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 100 से अधिक पदक देश के लिए जीते हैं। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने भी इसमें उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

खेलकूद की गतिविधियों के प्रति सकारात्मक रुख

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में खिलाड़ियों को हर तरह के सहयोग के प्रति आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि खेलकूद की गतिविधियों के प्रति केंद्र और राज्य का जो सकारात्मक रुख है वो हमारे खिलाड़ियों के लिए एक नया प्लेटफॉर्म भी है और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए सरकार के द्वारा उन्हें हर संभव सहयोग देने के लिए भी उन्हें आश्वस्त करता हूं। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि उत्तर प्रदेश में बैडमिंटन का एक अच्छा केंद्र हो, जहां खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को भी संपन्न किया जा सके। पूर्व केंद्रीय मंत्री अखिलेश दास जी ने इसकी शुरूआत की और 10 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ यह क्षेत्र उत्तर प्रदेश के अंदर बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए न केवल प्रशिक्षण का बल्कि किसी भी प्रकार के नेशनल और इंटरनेशनल चैंपियनशिप का एक नया केंद्र बिंदु बना है। इस अवसर पर डॉ. अखिलेश दास जी को भी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

सदन में स्वस्थ चर्चा के लिए हम पूरी तरह तैयार: सीएम

लखनऊ। प्रदेश के समग्र विकास, लोककल्याण, जनहित से जुड़े मुद्दे एवं जनसमस्याओं के समाधान के लिए हम विधानमंडल की कार्यवाही में चर्चा-परिचर्चा के लिए तैयार हैं। इसके लिए सभी दलों के सदस्यों से सार्थक चर्चा के लिए आह्वान किया गया है। साथ ही सरकार सभी दलों के सदस्यों के उनके सवालों के जवाब देने के लिए पूरी तरह से तत्पर है। सरकार डेवलपमेंट एवं उत्तर प्रदेश से जुड़े सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह से तैयार है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानभवन के गेट नं. 8 के पोर्टिको पर विधानसभा के शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले मीडिया बंधुओं से बातचीत के दौरान कहीं। इस दौरान संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह समेत कई मंत्री मौजूद रहे।

सत्र में अनुपूरक बजट के साथ विधायिका के लंबित कार्य होंगे पूरे: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि सदन आम जनमानस से जुड़ी समस्याओं को रखने एवं इस ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का महत्वपूर्ण मंच है। मुझे पूरा विश्वास है कि सभी सदस्य आम जनमानस की भावनाओं को ध्यान में रख करके सदन को स्वस्थ चर्चा-परिचर्चा का केंद्र बनाएंगे। साथ ही सार्थक चर्चा के माध्यम से विधायिका को और पुष्ट करने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि इस सत्र में अनुपूरक बजट के साथ विधायिका के लंबित कार्य पूरे होंगे। पिछले साढ़े छह वर्षों में विधान मंडल ने गरिमापूर्ण तरीके से संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली को पुष्ट करते हुए महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा-परिचर्चा को आगे बढ़ाने में नई सफलता प्राप्त की है, जो लोकतंत्र की सच्ची भावनाओं के प्रतिनिधित्व को दर्शाता है। यह लोगों के बीच कौतुहल और आश्चर्य का विषय बना हुआ है। मेरी विशेष रूप से विपक्षी दलों के सदस्यों से अपील है कि पूरे देश के अंदर सदन में गरिमापूर्ण तरीके से चल रही परिचर्चा को बनाए रखने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष की भी है। ऐसे में हम सदन की गरिमा को बनाए रखने में अपना योगदान दें।

बिहार के स्कूलों में छुट्टियों को लेकर बवाल, सरकार पर उठे सवाल

हिन्दू के पर्वों पर छुट्टियां काटीं ईद व मुहर्रम की छुट्टियां बढ़ाईं

- बिहार के शिक्षा विभाग की ओर से जारी किया गया एकेडमिक कैलेंडर
- सुशील कुमार मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बोला हमला, कहा- बिहार सरकार तुष्टिकरण का खेल खेलने लगी है

केटी न्यूज/पटना

बिहार के स्कूलों में छुट्टियों को लेकर बड़ा बवाल खड़ा हो गया है। एक तरफ बिहार सरकार ने हिन्दू तीज त्योहारों पर होने वाली छुट्टियों को या तो रद्द कर दिया या फिर छुट्टी के दिनों की संख्या कम कर दिया है। वहीं मुस्लिमों के त्योहारों की छुट्टियों को बढ़ा दिया गया है। इस संबंध में बिहार के शिक्षा विभाग की ओर से एकेडमिक कैलेंडर भी जारी किया गया है। इस कैलेंडर को देखते ही बीजेपी ने इसे तुष्टिकरण की राजनीति बताते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमले शुरू कर दिए हैं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता सुशील कुमार मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सीधा हमला करते हुए कहा कि एक बार फिर बिहार सरकार तुष्टिकरण का खेल खेलने लगी है। हिन्दू पर्व-त्योहारों की छुट्टियों जैसे जन्माष्टमी, रामनवमी, रक्षा बंधन और शिवरात्रि की छुट्टी को रद्द कर दिया है। हिन्दुओं को जातियों में बांटने के बाद सीएम अब अल्पसंख्यकों के लिए तुष्टिकरण करने में जुटे हैं। उधर, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इसे इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ बिहार बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा है कि नीतीश और लालू सरकार ने स्कूलों में मुस्लिम पर्व की छुट्टी बढ़ाई, हिन्दू त्योहारों में छुट्टी खत्म। कहा कि ईद मुहर्रम की छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। यह भी गजवा-ए-हिन्द का एक हिस्सा है।

बीजेपी ने 24 घंटे का दिया अल्टीमेटम... जारी कैलेंडर वापस नहीं लिया गया तो पूरे बिहार में करेंगे मुख्यमंत्री का पुतला दहन

बिहार में शिक्षा विभाग द्वारा जारी किए गए छुट्टी के नए कैलेंडर को लेकर भाजपा समेत सहयोगी दलों के नेता नीतीश सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने दरभंगा में नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। बिहार सरकार पर हिन्दू धर्म के पर्व के साथ पक्षपात करने का आरोप लगाया। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार तुष्टिकरण की नीति बंद करे। सनातन धर्म के 83 प्रतिशत लोग पूरी तरह से जागरूक हैं। यदि सरकार ने जारी कैलेंडर को 24 घंटे के भीतर वापस नहीं लिया तो पूरे बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला फूंका जाएगा। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने बिहार सरकार पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि तुष्टिकरण से प्रदेश नहीं चलेगा यह मैं स्पष्ट तौर पर कहना चाहता हूं। बिहार की सरकार तुष्टीकरण बंद करें। सनातन धर्म के 83 पर्सेंट लोग पूरी तरह जागरूक हैं। अगर बिहार में नीतीश कुमार सरकार चलाना चाहते हैं तो मैं चेतावनी देता हूँ कि अगर एक भी हिंदू के पर्व को अगर आप अपमानित करने का काम करेंगे तो भारतीय जनता पार्टी आपके खिलाफ आंदोलन करेगी। वही प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कैलेंडर जारी करने की बात पर कहा कि आज ही हम लोगों को इस बात की जानकारी मिली है। हम लोगों ने कहा है कि 24 घंटे में अगर इसकी वापसी नहीं की जाती तो पूरे बिहार में मुख्यमंत्री के खिलाफ पुतला दहन का कार्यक्रम किया जाएगा।

मुस्लिम त्योहारों पर ज्यादा छुट्टी: बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने साल 2024 का एकेडमिक कैलेंडर जारी किया है। इसी कैलेंडर के मुताबिक सरकारी विद्यालयों का संचालन किया जाएगा। इस कैलेंडर में विभाग ने जो छुट्टियों की जानकारी दी है, इसमें हिन्दुओं के पर्व त्योहारों में छुट्टियों में कटौती की गई है। इसमें खासतौर पर रामनवमी, महाशिवरात्रि, तीज, जितिया, सावन की अंतिम सोमवारी, जन्माष्टमी, अनंत चतुर्दशी, भैया दूज, गोवर्धन पूजा, कार्तिक पूर्णिमा पर इस बार छुट्टियों का प्रावधान नहीं है। अब तक इन त्यौहारों पर एक दिन की छुट्टी होती थी। इसी प्रकार होली, दिवाली, छठ, दुर्गा पूजा की छुट्टियों में कटौती की गई है। जबकि ईद, बकरीद, मोहर्रम की छुट्टियों को बढ़ाया गया है। 2023 में होली पर अवकाश 3 दिन का था, लेकिन 2024 में इसे 2 दिन कर दिया गया है। दुर्गा पूजा की छुट्टी भी अब 6 दिन की जगह केवल 3 दिन होगी। दीपावली से लेकर छठ तक पहले 8 दिनों की छुट्टियां होती थी। अब यह छुट्टी केवल चार दिन होगी। दूसरी ओर, ईद और बकरीद पर हमेशा दो दिन की छुट्टी होती थी, लेकिन अब तीन दिन होगी। 2023 में पहली बार मोहर्रम पर 1 दिन की छुट्टी घोषित हुई थी, इसे 2024 में बढ़ाकर 2 दिन कर दिया गया है।

30 दिन होगी गर्मी की छुट्टी: अंबेडकर जयंती और रविदास जयंती पर अवकाश रहेगा। गर्मी की छुट्टियों को भी 20 दिन से बढ़ाकर 30 दिन कर दिया गया है। इतना उलटफेर के बाद भी साल 2024 में भी कुल छुट्टियों की संख्या 60 ही रहेगी। इस एकेडमिक कैलेंडर में यह भी व्यवस्था है कि यदि किसी जिले में जुमा के मौके पर जिलाधिकारी की अनुमति से अतिरिक्त छुट्टी घोषित की जा सकती है।

12 नवंबर से उत्तरकाशी के सुरंग में फंसे सभी 41 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

उत्तरकाशी। उत्तराखंड की उत्तरकाशी में सिल्क्यारा टनल में 12 नवंबर से फंसे सभी 41 मजदूरों को अथक प्रयास के बाद सकुशल बाहर निकाल लिया गया है। रेस्क्यू टीमों ने रैट होल माइनिंग और सुरंग के ऊपर से वर्टिकल ड्रिलिंग कर मजदूरों को एक पाइप के जरिए निकालने की प्रक्रिया शुरू कर यह सफलता हासिल की है। पहला मजदूर शाम 7.50 बजे बाहर निकाला गया था। सभी को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाहर निकाले गए श्रमिकों से बात की। उनके साथ केंद्रीय मंत्री वीके सिंह भी थे। रेट स्नेपर्स वाली कंपनी नवयुग के मैन्युअल ड्रिलर नसीम ने कहा- सभी मजदूर स्वस्थ्य हैं। मैंने उनके साथ सेल्फी ली। उन्होंने बताया कि जब आखिरी पत्थर हटाया गया तो सभी ने जयकारे लगाए। रेस्क्यू के बाद मजदूरों को 30-35 किमी दूर चिन्यालीसौड़ ले जाया जाएगा। जहां 41 बेड का स्पेशल हॉस्पिटल बनाया गया है। टनल से चिन्यालीसोड तक की सड़क को ग्रीन कॉरिडोर घोषित किया गया है, जिससे रेस्क्यू के बाद मजदूरों को लेकर एम्बुलेंस जब अस्पताल जाए तो ट्रैफिक में न फंसे। इससे पहले, सिल्क्यारा साइड से हॉरिजॉन्टल ड्रिलिंग में लगे रैट माइनर्स, हादसे के 17वें दिन दोपहर 1.20 बजे खुदाई पूरी कर पाइप से बाहर आ गए। उन्होंने करीब 21 घंटे में 12 मीटर की मैन्युअल ड्रिलिंग की। 24 नवंबर को मजदूरों की लोकेशन से महज 12 मीटर पहले ऑगर मशीन टूट गई थी। जिससे रेस्क्यू रोकना पड़ा था। इसके बाद सेना और रैट माइनर्स को बाकी के ड्रिलिंग के लिए बुलाया गया था।

नालंदा में भीषण सड़क हादसा... बाइक और पुलिस वैन की टक्कर में 3 की मौत, लोगों ने की तोड़फोड़

केटी न्यूज/पटना

नालंदा जिले में भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार बाइक और पुलिस जीप की टक्कर में बाइक सवार 3 लोगों की मौत हो गयी। घटना से आक्रोशित लोगों ने पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ की और मुख्य सड़क को जाम कर दिया। जिससे यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया। घटना एकंगरसराय थाना क्षेत्र के मीना बाजार गांव की है जहां पुलिस की जीप से एक बाइक टकरा गयी और इस हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। बाइक पर तीन लोग सवार थे। बाइक की रफ्तार तेज थी और इसी दौरान एकंगरसराय थाना की पुलिस की जीप से टकरा गयी। तीन लोगों की मौत से गुस्साएं लोगों ने पुलिस की गाड़ी को घेर लिया और जमकर तोड़फोड़ की। इस घटना की जानकारी मिलते ही भारी संख्या में पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची जिसके बाद गुस्साए लोगों को शांत कराने में पुलिस जुट गयी है। तीनों मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

मुजफ्फरपुर में ट्रक से टकराया टेम्पो तीन लोगों की मौत, नौ घायल

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में सोमवार की रात 12 लोगों को लेकर जा रहा टेम्पो ट्रक से टकरा गया। इससे उसमें सवार दो पुरुष और एक महिला की मौत हो गई। घटना जिले के फकुली ओपी के बलिया के पास हुई। ग्रामीणों की जुटी भीड़ ने पुलिस को सूचना दी, तब घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। टेम्पो सवार सभी लोग कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सोनपुर से गंडकी-गंगा नदी के संगम से स्नान कर लौट रहे थे। सभी सीतामढ़ी जिले के पुनरवारा गांव के रहने वाले बताए गए। घायलों में प्रियंका कुमारी (14), सिंधु देवी (25), अभय राज (47), मुकेश साह (27), नागेश्वर मांझी (60), फूलो देवी और कांति देवी की पहचान सामने आयी है। घायलों ने बताया कि सभी कार्तिक पूर्णिमा पर सोनपुर से गंगा स्नान कर से लौट रहे थे। यह ट्रक सड़क पर ही थोड़ा किनारे खड़ा था। सामने से किसी वाहन की लाइट की वजह से चालक ट्रक को देख नहीं पाया और यह टक्कर हो गई।

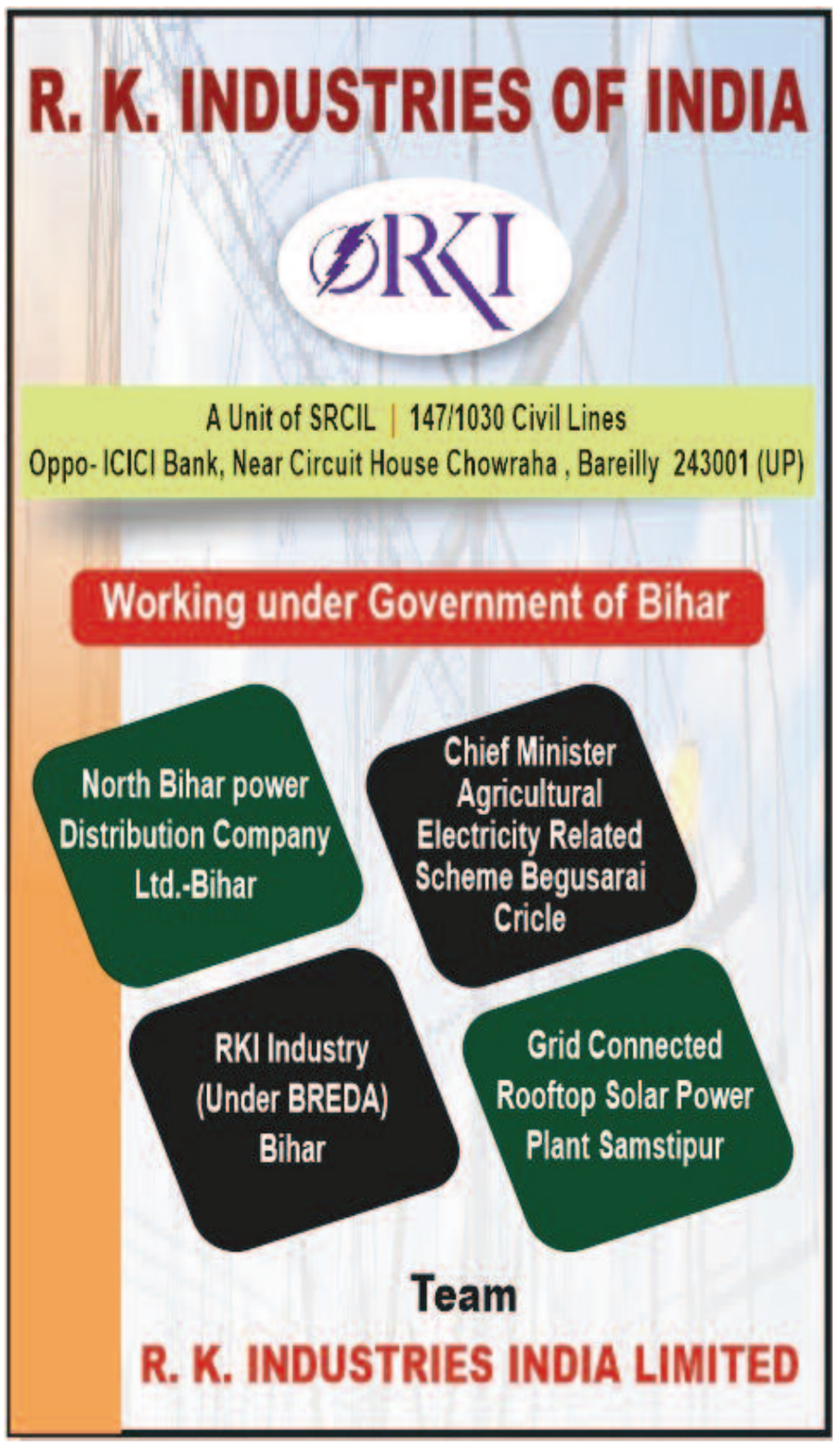

लोक कलाकारों को मिलेगा मंच, 25 दिसंबर से 26 जनवरी 2024 तक होंगे कई कार्यक्रम

उप्र में भव्य स्तर पर होगा संस्कृति उत्सव 2023 का आयोजन

- उत्तर प्रदेश पर्व: हमारी संस्कृति-हमारी पहचान है थीमलाइन, गांवों से लेकर राज्य स्तर तक के कलाकारों का होगा सम्मान
- उत्सव के आयोजन से शास्त्रीय, उप शास्त्रीय, लोक नाट्य व लोक संगीत जैसी विधाओं को मिलेगा प्रश्रय

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध बनाने और लोककला को देश समेत दुनियाभर में प्रसिद्धि दिलाने की दिशा में प्रयासरत उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने संस्कृति उत्सव 2023 के भव्य आयोजन की रूपरेखा तैयार कर ली है। उत्तर प्रदेश पर्वः हमारी संस्कृति-हमारी पहचानह्ण थीमलाइन से आयोजित किए जा रहे इस उत्सव से संबंधित कार्यकर्मों का आयोजन 25 दिसंबर से 26 जनवरी 2024 तक होगा। इस दौरान, गांव, ब्लॉक, तहसील, जिला, मंडल समेत राज्य स्तर पर लोक कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का उचित मंच मिलेगा। सीएम योगी की मंशा अनुरूप, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा इस उत्सव का आयोजन प्रदेश भर में कराया जाएगा जिसमें कई प्रतियोगिताएं शामिल होंगी। मुख्य रूप से शास्त्रीय, उप शास्त्रीय, लोक नाट्य व लोक संगीत जैसी सांस्कृतिक विधाओं को प्रश्रय प्रदान करने की भावना से इन कार्यक्रमों का आयोजन प्रदेश भर में किया जाएगा। इस आयोजन में ग्रामीण अंचलों में प्रचलित लोक संगीत को भी काफी प्रमुखता दी जाएगी तथा सभी स्तरों पर होने वाली प्रतियोगिताओं में विजेता कलाकारों को सम्मानित व पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रदेश के हर कोने में होंगे उत्सव से जुड़े आयोजन: संस्कृति उत्सव 2023 कितना भव्य होगा इसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रदेश के हर कोने में उस्तव से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इस कड़ी में, 25 से 30 दिसंबर के बीच तहसील मुख्यालय पर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसमें गांवों, पंचायत, ब्लॉक व तहसील स्तर के कलाकार भाग लेंगे। इसके बाद, 1 से लेकर 5 जनवरी 2024 के बीच जिला मुख्यालयों पर होने वाली प्रतियोगिता में तहसील स्तर के चयनित कलाकार भाग लेंगे। मंडलीय मुख्यालस स्तर पर 10 से 15 जनवरी के बीच प्रतियोगिता का आयोजन होगा जिसमें जिला स्तर पर चयनित कलाकार प्रतिभाग करेंगे। इसके आगे तीन अन्य चरणों से गुजर कर प्रतियोगिता निर्णायक स्थिति में पहुंचेगी और इन तीनों ही चरण की प्रतियोगिताओं का आयोजन लखनऊ में होगा। मंडल स्तर के चयनित कलाकारों को अभ्यास व मुख्य आयोजन में प्रतिभाग करने का मौका मिलेगा और सम्मानित भी किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सार्वभौमिक सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी जिसके लिए विभिन्न स्तर पर शासकीय-अर्ध शासकीय विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, स्वैच्छिक संस्थाओं, नेहरू युवा केंद्र तथा नेशनल कैडेट कोर समेत सामाजिक कार्यकताओं का सहयोग लिया जाएगा।

आयोजन के अंतर्गत शास्त्रीय गायन में ख्याल, ध्रुपद, उपशास्त्रीय गायन में ठुमरी, दादरा, चैती, चैता, झूला, होरा, टप्पा, वादन में बांसुरी, शहनाई, हारमोनियम, सितार, वॉयलिन, गिटार, सारंगी, वीणा, तबला, पखावज, मृदंगम व घटम तथा जनजातीय व लोक वाद्यंत्र से जुड़ी प्रतियोगिताएं होंगी।

औरंगाबाद के सांसद ने उत्तर कोयल सिंचाई परियोजना नहर जीर्णोद्धार कार्य का किया शुभारंभ

राम विनय सिंह/औरंगाबाद

केंद्र सरकार के सहयोग से मगध इलाके का बहुप्रतिक्षित उत्तर कोयल नहर परियोजना के अधूरे कार्यों को पूरा करने के तहत दायां नहर के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ मंगलवार को औरंगाबाद के सांसद सुशील कुमार सिंह ने किया। यह कार्यक्रम कुटुंबा प्रखंड के ढूंढा गांव के समीप उत्तर कोयल नहर पर विधिवत पूजा अर्चना के साथ किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या स्थानीय लोग एवं भाजपा कार्यकर्त्ता मौजूद रहे। इसके उपरांत अंबा के निकट ढूंढा गांव के खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम को भाजपा जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य अनिल सिंह, जिला महामंत्री मुकेश कुमार सिंह, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष विनय सिंह सहित कई अन्य

लोगों ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

इस दौरान सांसद सुशील कुमार सिंह ने कहा कि नहर का अब नए सिरे से पक्कीकरण होगा जिससे पानी की बबार्दी नहीं होगी और इसके अंतिम बिंदु तक पानी पहुंच सकेगा। गौरतलब है कि बिहार और झारखंड की सबसे बड़ी इस सिंचाई परियोजना के पूरा होने पर 1 लाख 25 हजार हेक्टेयर भूमि में सिंचाई हो सकेगी और बिहार के औरंगाबाद , गया समेत चार जिलों के अलावा झारखंड के भी कुछ हिस्से को सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। गत 4 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस परियोजना के लंबित कार्यों के लिए 1830 करोड़ रुपए की संशोधित राशि की मंजूरी प्रदान की थी।

सांसद ने कहा कि पीएम की सकारात्मक सोच की पहल का यह परिणाम है कि इस जीर्णोधार कार्य से अब लाखों किसानों के लिए जीवन में हरियाली आयेगी। अब तक इस परियोजना का निर्माण कार्य पुरा हो जाना चाहिए था। क्योंकि इस परियोजना का निर्माण कार्य की शुरूआत वर्ष 1980 में की गई थी। लेकिन कुछ कानूनी अड़चने एवं राज्य सरकार के निष्क्रियता के कारण अब तक निर्माण कार्य लंबित है। फिलहाल निर्माण कार्य के लिए 2436 करोड़ की स्वीकृति मिली है।

उन्होंने कहा कि उतर कोयल नहर परियोजना देश की ऐसी परियोजना है, जिसके लिए विस्थापितों को दो बार मुआवजा दिया जाएगा। सरकार परियोजना के लिए अधिग्रहित जमीन का शुरू में ही मुआवजा भुगतान कर चुकी है। इसके बाद बंद परियोजना का काम जब आगे बढ़ा तो अधिग्रहित जमीन पर काबिज विस्थापितों ने यह कहकर कब्जा छोड़ने से इनकार कर दिया कि उनके पूर्वजों को मुआवजा मिलने की कोई जानकारी नहीं है। बिना मुआवजा भुगतान के वें कब्जा नही छोड़ेंगे। इस मामले में केंद्र सरकार ने दोबारा मुआवजा देना स्वीकार कर लिया है। साथ ही शर्त रखा है कि मुआवजा की आधी राशि मिलने के बाद वे कब्जा छोड़ देंगे। कब्जा छोड़ने के बाद ही उन्हें मुआवजा की शेष 50 प्रतिशत राशि का भुगतान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2009 तक यह परियोजना मृतप्राय पड़ी थी। परियोजना बंद होने के बाद की सरकारों ने इसमें रुचि नहीं ली। जब केंद्र सरकार इसे लेकर चिंतित हुई तो राज्य सरकारों ने रुचि नहीं ली। जबकि सिंचाई राज्य का विषय है, जब भारत सरकार परियोजना के लिए धन देने और कानूनी बाधाओं को दूर करने को तैयार हुई तो राज्य सरकारों ने सहयोग नहीं किया। झारखंड सरकार ने सुरक्षा मुहैया कराने तक में रुचि नहीं ली।

उन्होने कहा कि अब राज्य सरकारों का बेहतर सहयोग मिला तो परियोजना कुछ महीने में पूरी हो जाएगी और किसानों के खेतों में उत्तर कोयल नहर का लाल पानी आने लगेगा। परियोजना के लिए कुटकु डैम पहले ही बना हुआ है। इसका निर्माण कार्य 1980 में हो जाना चाहिए था। लेकिन अब तक नही हुआ। हालांकि इस दौरान कई बाधाएं आई लेकिन किसानों के हित में हमारा निरंतर संघर्ष जारी रहा। इसकी शुरूआती लागत 30 करोड़ थी, जिसमें अब तक इस परियोजना में 1.5 करोड़ रूपए खर्च किए जा चुके हैं। अब यह 5000 करोड़ की योजना हो चुकी है।

इस मौके पर भाजपा वरीय नेता सुनील सिंह, जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा, जिला महामंत्री मुकेश सिंह, वाप्कोस कार्यकारी निदेशक एच.एस संधू, वाप्कोस वरिष्ठ निदेशक संजय शर्मा, वाप्कोस के क्षेत्रीय अभियंता, प्रदेश कार्य समिति सदस्य अनिल सिंह, युवा भाजपा नेता प्रवीर सिंह, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष शुभेन्दु शेखर, जिला मिडिया प्रभारी मितेंद्र सिंह, मुखिया प्रतिनिधि आकाश सिंह उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

हत्याकांड में फरार आरोपित गिरफ्तार भेजा गया जेल

औरंगाबाद। हत्याकांड में फरार एक आरोपित को नवीनगर थाना की पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। पकड़ा गया आरोपित कुटुंबा थाना क्षेत्र महुआ धाम निवासी धनंजय सिंह है। विदित हो कि 31 मई 2023 को नवीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनवर्षा गांव में एक युवक की हत्या कर दी गई थीं जिसमें मृतक की पहचान कुटुंबा थाना क्षेत्र अंतर्गत लोहरचक गांव निवासी डब्लू यादव की हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में मृतक के पिता केदार यादव ने कुटुंबा थाना क्षेत्र के महुआ धाम धनंजय सिंह, टंडवा थाना क्षेत्र के दुआरी गांव निवासी दीपक सिंह (धनंजय सिंह का भगीना), हरिहरगंज थाना क्षेत्र के बलौदर गांव निवासी रंजन सिंह, एनटीपीसी खैरा थाना क्षेत्र अंतर्गत गम्हरिया गांव निवासी धनंजय सिंह का बहनोई सहित पांच अज्ञात के विरुद्ध काण्ड दर्ज कराया गया था जिसमें मुख्य अभियुक्त टंडवा थाना क्षेत्र के दुआरी गांव निवासी दीपक सिंह को गिरफ्तार किया गया था। इसी क्रम में धनंजय सिंह पकड़ा गया।

दो पक्षों के बीच मारपीट, केस दर्ज

औरंगाबाद-गोह। मुख्यालय के राजपूतान टोला में सोमवार को बिजली मोटर बंद करने को लेकर दो पक्षों में मारपीट की घटना में दोनों पक्षों से प्राथमिकी दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष कमलेश पासवान ने बताया कि गोह राजपूतान टोला निवासी शशिकांत दुबे के ब्यान पर कांड संख्या 356/23 दर्ज की गई है जिसमें पांच व्यक्ति को आरोपी बनाया गया है। वही दूसरे पक्ष गोह राजपूतान टोला निवासी वैभव भारद्वाज के बयान पर कांड संख्या 357/23 दर्ज की गई है जिसमें तीन व्यक्ति को आरोपी बनाया गया है।

महुआ शराब बरामद धंधेबाज फरार फरार

औरंगाबाद। उपहारा पुलिस ने छापेमारी करते हुए ढाई लीटर महुआ शराब बरामद किया है। वही पुलिस की आने की भनक लगते ही धंधेबाज फरार हो गया।

भोजपुर के तीयर थाना क्षेत्र के चौराही गांव की घटना, खेत से मिला शव

शौच करने निकले स्कूली छात्र का मिला शव, गला दबाकर हत्या करने का आरोप

- परिजनों का पूर्व के विवाद में गांव के लोगों पर गमछा से डाल गला दबाकर हत्या करने का आरोप
- एसपी बोले: शुरूआती जांच में फांसी की बात आ रही सामने, पूछताछ के आधार पर की जा रही जांच

केटी न्यूज/आरा

तीयर थाना क्षेत्र के चौराही गांव में शौच करने निकले एक स्कूली छात्र का शव बरामद किया गया। सोमवार की शाम को निकले छात्र का शव मंगलवार की सुबह घर से करीब तीन सौ मीटर दूर स्थित धान के खेत से बरामद किया गया। गमछा से गला दबाकर छात्र की हत्या करने की बात कही जा रही है। मृत छात्र चौराही गांव निवासी जनार्दन सिंह का 15 वर्षीय पुत्र संजीत सिंह उर्फ पंडित था। वह आठवीं छात्र था। सुबह शव मिलने से गांव में सनसनी मच गयी। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। छात्र के परिजनों की ओर से पूर्व के विवाद में गांव के कुछ लोगों पर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। हालांकि पुलिस की शुरूआती जांच में छात्र के फांसी पर लटके होने की बात सामने आयी है। ऐसे में पुलिस हत्या और खुदकुशी दोनों एंगल से जांच कर रही है। मोबाइल नंबर और परिजनों से पूछताछ कर घटना की जानकारी लेने में जुटी है।

छात्र के नाना वीरेंद्र यादव ने बताया कि सोमवार की शाम गाय बांधने के बाद संजीत शौच करने के लिए बधार की ओर गया था। देर रात वह घर नहीं लौटा, तो खोजबीन शुरू की गयी। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चल पाया। इसी बीच मंगलवार की सुबह गांव के लोग सुगड़ा बधार स्थित धान की खेत की ओर गए थे। तब उन्होंने उसके शव को धान के खेत में पड़ा देखा। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गयी। इधर, एसपी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि शव मिलने की सूचना मिलने पर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह, तीयर थानाध्यक्ष आशीष कुमार साह और जगदीशपुर थानाध्यक्ष राज किशोर सिंह तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे। शुरूआती जांच में ऐसा लग रहा है कि युवक फांसी पर लटका है। उसकी जांच की जा रही है। छानबीन में अन्य जानकारी भी मिली है। कुछ लोगों के मोबाइल नंबर भी मिले है। उन लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। परिजनों से भी पूछताछ कर जानकारी ली जा रही है। अभी मामला कुछ संदिग्ध लग रहा है। अनुसंधान की जा रही है। जल्द ही मुख्य अभियुक्त को गिरफ्तार किया जायेगा और कांड का खुलासा किया जायेगा।

अज्ञात शव की हुई पहचान, प्रेम-प्रसंग में हुई थी हत्या

औरंगाबाद। मादनपुर पुलिस ने अज्ञात युवक के शव का शिनाख्त कर लिया है। युवक की पहचान थाना क्षेत्र के छालीदोहर निवासी महेश कुमार यादव के रूप में हुई हैं। गौरतलब हैं कि सोमवार की सुबह थाना क्षेत्र के लोहर्षी टोले मुर्गी बिगहा के समीप उत्तर कोयल नहर किनारे से एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर अपने स्तर से शिनाख्त में जुटी हुई थीं। इसी क्रम में घटना कि जानकारी होने पर मृतक के पिता तेज नारायण यादव ने थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई हैं जिसमें हत्या का आरोप लगाते हुऐ उन्होंने छह लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। इस दौरान उन्होने बताया कि दुखी सिंह भोक्ता की बेटी से मोबाइल फोन पर उनका पुत्र बात करता था जिसकी जानकारी उन्हें प्राप्त हुई थीं। हालांकि इस दौरान उन्होंने काफी समझाया बुझाया, लेकिन इसी क्रम में उसकी हत्या कर दी गई। थानाध्यक्ष शशि कुमार राणा ने बताया कि शव की पहचान कर ली गई है। हत्या का मामला दर्ज कर हत्यारोपियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छापेमारी कर रही है।

नाना बोले: छह माह पहले पड़ोस के लोगों से हुआ था विवाद, दी गयी थी उठा लेने की धमकी: छात्र के नाना वीरेंद्र यादव ने बताया कि छह माह पूर्व पड़ोस के ही लोगों से झगड़ा हुआ था। तब पड़ोस के लोगों की ओर से उनके नाती को उठा लेने की धमकी भी दी गयी थी। उसे लेकर विवाद चल रहा है। उन्होंने बताया कि उसी विवाद में पड़ोस के लोगों द्वारा उनके नाती की गमछा से गला घोंटकर हत्या कर दी गयी और शव को खेत में फेंक दिया गया। बताया जा रहा है कि छात्र अपने तीन भाई और एक बहन में तीसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां शोभा देवी, भाई अजीत सिंह, अमित सिंह और बहन सावित्री देवी है। घटना के बाद छात्र के घर में कोहराम और रोना-धोना मच गया है। छात्र की हत्या के बाद मां सावित्री देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एक नजर

हरिद्वार में शब्दाक्षर के राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित हुए औरंगाबाद के साहित्यकार

औरंगाबाद। राष्ट्रीय स्तर की साहित्यिक संस्था 'शब्दाक्षर' द्वारा देवभूमि हरिद्वार के शर्मा परिवार होटल में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय काव्य समागम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह, आयोजन प्रमुख डा बुद्धिनाथ मिश्र एवं व्यवस्था प्रमुख केवल कोठारी की देखरेख में आयोजित यह कार्यक्रम अत्यंत ही भव्य, आकर्षक एवं अनुकरणीय रहा। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय संगठन सचिव विश्वजीत शर्मा ने किया। औरंगाबाद जिलाध्यक्ष धनंजय जयपुरी के नेतृत्व में कवि नागेंद्र कुमार केशरी, जनार्दन मिश्र जलज, अनिल अनल, अनुज बेचैन एवं कुमार शानू मौर्य ने विविध छंदों एवं रसों में अपनी -अपनी दमदार रचनाओं की प्रस्तुति देकर उपस्थित कवि- कवत्रियों एवं अन्य दर्शकों -श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस संस्था की प्रशंसा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भारत कि यह पहली संस्था है जिसने प्रखंड स्तर तक शब्दाक्षर को विस्तारित करने का कार्य किया है। इस कार्यक्रम में 2021-22 में प्रकाशित काव्यकारों में क्रमशः धनंजय जयपुरी, राजीव खरे, स्मृति कुलश्रेष्ठ, नीता श्रीवास्तव, सुमन सुरभि, धर्मपाल साहिल, संत कुमार वाजपेई तथा प्रदीप देवीशरण की पुस्तकों में से 'कवि हरिश्चंद्र गुप्ता सम्मान' के तहत नीता श्रीवास्तव की कृति मेरी मिल्कियत को प्रथम पुरस्कार 51000 तथा द्वितीय पुरस्कार डॉ सुमन सुरभि की कृति चेतना के पंख के लिए 21000 रु का चेक, प्रशस्ति पत्र तथा शील्ड प्रदान किया गया।

अंतरराष्ट्रीय जियोफेस्ट की विजेता काको कायनात टीम ने बिहार के राज्यपाल से की मुलाकात

जहानबाद। मदरसा जामिया कायनात और कायनात इंटरनेशनल स्कूल, कायनात नगर, काको, जहानाबाद, बिहार की टीम ने भारत स्काउट्स के सदस्यों के साथ सीएमएस, लखनऊ द्वारा आयोजित पर्यावरण जागरूकता अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम जियोफेस्ट में भाग लिया. कायनात टीम ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया जिसमें देश-विदेश से 600 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। मदरसा जामिया कायनात और कायनात इंटरनेशनल स्कूल बिहार राज्य से एकमात्र टीम थी।कायनात टीम ने स्कूल परिसर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने के लिए सिंचाई के लिए पानी के स्थान पर टैंक के उद्देश्यपूर्ण उपयोग के लिए जल संरक्षण और समाधान का केस अध्ययन प्रस्तुत किया। शकील अहमद काकवी, जियोफेस्ट, कायनात टीम लीडर ने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों और मदरसा के छात्र अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं, बशर्ते उन्हें उचित मार्गदर्शन मिले।

लोन रिकवरी के नाम पर हो रहा अत्याचार

केटी न्यूज/औरंगाबाद

अंबा प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को कुटुंबा प्रखंड के पंचायत समिति की साधारण बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख धर्मेंद्र कुमार ने की। इसमें क्षेत्रीय बैंकों, प्रखंड अंतर्गत स्वास्थ्य सेवा, समेकित बाल विकास परियोजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा मनरेगा योजना की समीक्षा की गई। बैंक की समीक्षा के दौरान जनप्रतिनिधियों ने बैंक द्वारा लोन रिकवरी में बरती गई सख्ती के विरुद्ध आवाज उठाई। ग्राम पंचायत पड़ता के मुखिया श्याम बिहारी राय ने कहा कि मगध ग्रामीण बैंक द्वारा लोन रिकवरी के नाम पर गरीब एवं किसानों पर अत्याचार किया जा रहा है। पचास हजार रुपए की लोन की राशि के एवज में तीन-तीन लाख रुपए उगाही की जा रही है। किसानों पर दबाव बनाया जा रहा है कि पचास प्रतिशत राशि जमा कर सेटलमेंट कराएं। जो गरीब किसान सेटलमेंट नहीं कर पा रहे हैं उन्हें जबरन जेल भेज दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रहम बिगहा गांव निवासी शमशाद हुसैन के साथ बैंक ने इसी तरह का सलूक किया है। बैंक मैनेजर ने बताया कि वरीय अधिकारियों से प्राप्त निर्देश के अनुसार कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायत सुही के मुखिया मंजीत यादव ने पंजाब नेशनल बैंक कुटुंबा पर आरोप लगाया कि केवाईसी के नाम पर लोगों को छह महीने तक परेशान किया जा रहा है। इस पर बैंक मैनेजर ने कहा कि केवाईसी की तादाद ज्यादा है। स्टाफ की कमी के कारण इस तरह की परेशानी आ रही थी। हमने एक्स्ट्रा टाइम देकर इस समस्या का निदान कर दिया है। बैंक मैनेजर ने बताया कि छोटे कुशल कारीगरों को बैंक द्वारा एक से तीन लाख रुपए तक का लोन दिया जा रहा है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपील किया कि लोगों को इसकी जानकारी दें। जनप्रतिनिधियों ने वंशावली बनाने में आ रही परेशानियों का जिक्र किया।

महिला के साथ छेड़छाड़ व मारपीट के मामले में प्राथमिकी दर्ज

औरंगाबाद। गोह थाना क्षेत्र के एक गांव में एक महिला ने अपने ही बहनोई पर छेड़छाड़ के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की अनुसंधान में जुट गई है। महिला द्वारा थाना में दिए गए आवेदन में बताया गया कि सोमवार की शाम पीड़ित महिला अपने घर में बैठी हुई थी इसी दौरान पीड़ित महिला के बहनोई आया और हाथ पकड़कर मारपीट और छेड़छाड़ करने लगा किसी तरह महिला ने हाथ छुड़ाकर भागी। थानाअध्यक्ष कमलेश पासवान ने बताया कि महिला की ब्यान पर कांड संख्या 359/23 दर्ज किया गया है जिसमे पीड़िता के बहनोई प्राण पुर गांव निवासी मो वसीम अंसारी ,सहित दो को आरोपी बनाया गया है।

जहानाबाद के डीएम ने की उद्योग एवं बैंकर्स के साथ समीक्षात्मक बैठक

स्वीकृत लोन का जल्द से जल्द वितरण करें: डीएम

केटी न्यूज/जहानाबाद

जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के उद्योग एवं बैंकर्स के साथ समीक्षात्मक बैठक की गई। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक प्रशांत कुमार ने सर्वप्रथम जिला पदाधिकारी महोदय, उप विकास आयुक्त, उप समाहर्ता बैकिंग संजीत बक्शी, पूजा कुमारी ,महाप्रबंधक उद्योग विभाग, सभी जिला समन्वयक ,सभी शाखा प्रबंधक एवं सभी डीआरपी का स्वागत किया।

अग्रणी जिला प्रबंधक द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अंतर्गत आता 202 प्रॉजेक्ट के लक्ष्य के विरुद्ध बैंकों द्वारा 123

प्रॉजेक्ट को अनुमोदित किया गया तथा पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत 131लक्ष्य के विरुद्ध बैंकों द्वारा 116 आवेदन स्वीकृत किया गया। जिला पदाधिकारी महोदय द्वारा आईसीआईसीआई बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, इंडुसिंड बैंक, ,एचडीएफसी बैंक,बंधन बैंक, यूको बैंक एवं एक्सिस बैंक के असंतोषजनक प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए महाप्रबंधक उद्योग विभाग को निर्देश दिया गया कि इन बैंको के मैनेजर से पत्राचार के माध्यम से स्पष्टीकरण मांगा जाए और इन बैंक के उच्च अधिकारी को भी पत्राचार के माध्यम से जानकारी दी जाए की अभी तक इन बैंको के द्वारा सरकारी योजनाओ में अभी तक कोई ऋण क्यो नही स्वीकृत किया गया।

सभी बैंकों को निर्देश दिया गया कि दिसंबर माह के अंत तक जो लक्ष्य दिया गया है उसे पूरा करें ' जिला पदाधिकारी महोदय के द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, एवं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक को PMEGP एवं PMFME ऋण स्वीकृति के लिए प्रशंसा भी किया गया। जिला पदाधिकारी ने सभी बैंको को निर्देश दिया कि जो लोन उनके शाखा से स्वीकृत किया गया है उसे जल्द से जल्द वितरण कर पोर्टल पर अपडेट करें।

27 से 16 दिसंबर तक पुरुष नसबंदी पखवाड़ा, सफलता के लिए किए जाएंगे कई कार्यक्रम

- इस बार का पखवाड़ा पूरी तरह से पुरुष नसबंदी पर रहेगा केंद्रित - सिविल सर्जन
- पखवाड़े के दौरान परिवार नियोजन से संबंधित अन्य सभी सेवाएं भी दी जाएंगी
- स्वस्थ मां, स्वस्थ बच्चा, जब पति का हो परिवार नियोजन में योगदान अच्छा, रखा गया है थीम

केटी न्यूज/बक्सर

जनसंख्या स्थिरीकरण के उद्देश्य से 27 नवंबर से 16 दिसंबर तक आयोजित पुरुष नसबंदी पखवाड़ा को सफल बनाने के उद्देश्य से सिविल सर्जन डॉ सुरेश चंद्र सिन्हा की अध्यक्षता में अंतर विभागीय समन्वय बैठक संपन्न हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सभी जिलास्तरीय पदाधिकारी, जिला स्वास्थ्य समिति के सभी पदाधिकारी, जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों के उपाधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सभी संस्थानों के प्रबंधक एवं सामुदायिक उत्प्रेरक सम्मिलित हुए। बैठक के दौरान सिविल सर्जन ने बताया कि इस बार का पखवाड़ा पूरी तरह से पुरुष नसबंदी पर केंद्रित है। साथ ही, परिवार नियोजन से संबंधित अन्य सभी सेवाएं भी दी जाएंगी। परिवार नियोजन में पुरुषों की भागीदारी हेतु इस बार पखवाड़ा की थीम स्वस्थ मां, स्वस्थ बच्चा, जब पति का हो परिवार नियोजन में योगदान अच्छा रखा गया है। उन्होंने बताया कि पुरुष नसबंदी पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसके तहत 27 नवंबर से तीन दिसंबर तक दंपति संपर्क सप्ताह का आयोजन। स्वास्थ्य मेला सह मीडिया ब्रीफिंग का आयोजन। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में सारथी (ई रिक्शा) जागरूकता रथ का परिचालन और प्रखंड स्तर पर सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर सास बहू बेटी सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

चार से 16 दिसंबर परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा का आयोजन: जिला कार्यक्रम प्रबंधक मनीष कुमार ने बताया कि पहले चरण में प्रचार -प्रसार के दौरान सुखी परिवार हेतु परिवार नियोजन का महत्व, सही उम्र पर लड़की की शादी, मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए साफ- सफाई एवं स्वच्छता का महत्व इत्यादि विषयों पर जनजागरण हेतु प्रचार प्रसार के लिए सारथी रथ को समाहरणालय बक्सर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। यह रथ गांव-गांव में जाकर जन जागरण का कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि पुरुष नसबंदी पखवाड़ा के अवसर पर इस प्रकार का रथ प्रत्येक प्रखंड में चलाया जाना है। रथ को विशेष रूप से प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक सारथी रथ के ऊपर आशा कार्यकताओं की प्रतिनियुक्ति की गई है। ताकि योग्य दंपतियों खासकर पुरुषों को परिवार नियोजन के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। साथ ही जो लाभार्थी परिवार नियोजन की अस्थाई विधियों यथा गर्भनिरोधक गोलियां कंडोम इत्यादि अपनाने के लिए इच्छुक हैं ,उन्हें हाथों-हाथ सुविधा प्रदान की जा सके।

योग्य दंपतियों को आशा करेंगी जागरूक: डीसीएम हिमांशु कुमार सिंह ने बताया कि 27 नवंबर से तीन दिसंबर तक प्रखंड स्तर पर आशा कर्मियों के द्वारा घर-घर जाकर पुरुष नसबंदी के प्रति जागरूकता, महिला पुरुष समानता, स्वस्थ जीवन हेतु साफ-सफाई एवं स्वच्छता का महत्व, सुखी एवं स्वस्थ जीवन हेतु परिवार नियोजन का महत्व, सही उम्र में शादी, पहला बच्चा शादी के दो वर्ष बाद एवं दो बच्चों के बीच तीन वर्ष का अंतर इत्यादि विषयों पर लोगों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही, योग्य दंपतियों को बास्केट ऑफ चॉइस से अवगत कराया जायेगा तथा अस्थायी सेवाएं भी हाथों-हाथ उपलब्ध कराई जाएंगी। परिवार नियोजन के बास्केट ऑफ चॉइस में माला एन दैनिक गर्भनिरोधक गोलियां, इमरजेंसी गर्भनिरोधक गोलियां, छाया सप्ताहिक गर्भनिरोधक गोलियां, अंतरा 3 महीने के लिए लगाई जाने वाली गर्भनिरोधक सुई, कंडोम, आईयूसीडी, पीपीआईयूसीडी इत्यादि अस्थाई साधन तथा महिला एवं पुरुष नसबंदी जैसे परिवार नियोजन की स्थाई विधियां शामिल हैं।

अधिक से अधिक पुरुष नसबंदी करने का लक्ष्य: सेवा पखवाड़ा के दौरान सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में इच्छुक लाभार्थियों को अभियान चलाकर उनकी इच्छानुसार गर्भनिरोधक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। खासकर परिवार नियोजन में पुरुषों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए अधिक से अधिक पुरुष नसबंदी करने का लक्ष्य रखा गया है।

खबरें फटाफट

बंद घर से चोरों ने उड़ाये नगद सहित हजारों के गहने

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव में अज्ञात चोरों ने एक बंद घर मे धावा बोलकर हजारों के गहने सहित 20 हजार नगद राशि की चोरी कर ली और फरार हो गये। गृहस्वामी के घर आने के बाद मामले की जानकारी मिली और परिजनों के बीच अफरा-तफरी मच गयी। इसकी तत्काल सूचना पुलिस को दी गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू कर दी। इस मामले में नया भोजपुर के रहने वाले द्वारिकानाथ मिश्र ने पुलिस को आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

बिजली चोरी के खिलाफ केस दर्ज

डुमरांव। कंपनी के अधिकारियों ने स्थानीय शहर के गिरधारी गली मोहल्ले में अभियान चलाया, जिसमें एक को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा और जुर्माना लगाते हुए आरोपी के खिलाफ डुमरांव थाने में मामला दर्ज कराया है। दस्ता का नेतृत्व डुमरांव के कनीय विद्युत अभियंता सह अभिनिर्धारण पदाधिकारी मनीष कुमार ठाकुर ने किया।

डुमरांव के मेन रोड में हर दिन लग रहा जाम, लोग परेशान

जाम से निपटने के लिए नप की बनी कार्ययोजना फाइलों में बंद

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद प्रशासन ने शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए कार्ययोजना तैयार किया था। लेकिन इस योजना के क्रियान्वयन नहीं होने से जाम की समस्या ज्यों की त्यों बनी है। अब तक नप की उदासीनता से लोगों की मुश्किलें बढ़ गयी है। शहरवासियों को जाम से निजात दिलाने की कार्ययोजना नप की फाइलो में बंद हो गयी है। जिससे वाहन सहित एम्बुलेंस भी जाम में कराहते रहते। इधर यूपी, झारखंड व बंगाल को जोड़ने वाली सड़क के कारण शहर के सड़को पर वाहनो का दबाव काफी बढ़ गया है। साथ ही शादी-विवाह के मौसम होने पर भी मुख्य सड़क के अलावे कई अन्य सड़को पर भी वाहनों की संख्या में इजाफा होने से महाजाम की स्थिति बनी रहती है। वाहनों से उतरकर पैदल ही राहगीर मुख्य मंडियों और अन्य दुकानों में अपने जरूरी सामानों की खरीदारी करने के लिए लंबी दूरी तय कर पहुंचते है। जाम के कारण जहां-तहां वाहन को खड़ा कर संकीर्ण गलियों से गुजरते हुए लोग अपने कामों को निपटाते रहे। शादी-विवाह के मौसम के दिनों में भारी भीड़-भाड़ को लेकर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे समय पर भी प्रशासन द्वारा जाम से निपटने की तैयारी नही की जाती। राहगीर मनीष कुमार, कृष्णा चंद्रवंशी, विजय साह आदि कहते है कि जाम के कारण सड़को पर वाहन रेंगते नजर आते है। जहां-तहां वाहनो के खड़े होने से समस्या और भी विकराल बन जाती है। वहीं सड़क किनारे दुकानें लगने से पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे मौकों पर प्रशासन थोड़ी सी तैयारी करे तो आम लोगों को परेशानी से बचाया जा सकता है।

फाइलों में बंद हुई नप की कार्ययोजना: जाम की समस्या से उबारने के लिए नप प्रशासन ने पिछले दिनों कार्ययोजना तैयार किया था। लोगों को उम्मीद थी कि लग्न के पहले ही योजना को धरातल पर उतारा जायेगा लेकिन योजना की फाइल बंद हो गयी। ऐसी हालत में आम राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऑटो के रूट चार्ट लागू नही होने से चालको द्वारा सड़को पर ही ऑटो खड़े किए जाते है। बस भी मुख्य शहर से ही गुजरती है, जिस वजह से शहर जाम से कहरता रहता है।

क्या कहते हैं अधिकारी: जाम से निपटने के लिए अतिक्रमण अभियान चलाया गया। वाहनों के स्थायी ठहराव को लेकर जमीन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भेजा गया है। – **अनिरुद्ध कुमार, इओ नप डुमरांव।**

लोक आदालत को सफल बनाने के लिए न्यायाधीश ने की बैठक

बक्सर। बक्सर में 9 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। इसे सफल बनाने के लिए मंगलवार को न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार देवेश कुमार ने कई बैठक आयोजित की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत समझौते के आधार पर मामलों को निष्पादित करने का व्यापक मंच है। समाज में बढ़ रहे आपसी मनमुटाव को दूर करने के साथ-साथ पक्षकारों के बीच अच्छे संबंध की स्थापना एवं उनके आर्थिक क्षति का बचाव लोक अदालत के माध्यम से होता है, ऐसे में अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन करने के लिए सभी को प्रयास करना होगा। थानाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा बैंक संबंधित आठ हजार एवं न्यायालय के 1800 मामलो को समझौते के लिए चिन्हित किया गया है।

बिल बकाया होने पर बिजली कंपनी ने काटा ओवरब्रिज का कनेक्शन

नावानगर। एनएचएआई पर लाखों रुपए बिजली बिल बकाया होने पर स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के परमानपुर से टीकपोखर तक ओवरब्रिज का कनेक्शन काट दिया गया है। जिससे शाम ढ़लते ही बिजली की लाइटों से जगमागते ओवरब्रिज पर अंधेरा पसर गया है। इसकी जानकारी सोमवार को बिजली कंपनी के एसडीओ राकेश कुमार दुबे ने दिया। उन्होंने बताया कि नावानगर प्रखंड क्षेत्र में एनएचआई के छह ओवरब्रिज पर बिजली सप्लाई के लिए सात ट्रांसफार्मर लगाया गया है। सातों ट्रांसफार्मर से बिजली का सप्लाई किया जाता है। लेकिन बिल का पर फरवरी 23 से एनएचएआई द्वारा बिजली बिल का भुगतान नही किया गया है। जिसके चलते सातो ट्रांसफार्मर से कनेक्शन हटा लिया गया है। उन्होंने बताया कि फरवरी 2023 से अब तक एनएचएआई पर कंपनी का कुल 28 लाख रुपए बकाया है। ज्यादा बकाया होने के चलते वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर एनएचएआई का कनेक्शन खोल दिया गया है।

एक नजर

डुमरांव रेलवे स्टेशन पर फर्स्ट एड की सुविधा नदारद, घायलों के इलाज में होती है परेशानी

डुमरांव। दानापुर-बक्सर रेलखंड के डुमरांव रेलवे स्टेशन पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है। पिछले तीन माह के दौरान इस स्टेशन के आसपास ट्रेन की चपेट में आने से कई यात्री चोटिल हो गये। ऐसे यात्रियों को स्थानीय स्टेशन पर फर्स्ट एड की भी सुविधा नहीं मिल पाती है और उन्हें अस्पतालों की दौड़ लगानी पड़ती है। रेल विभाग ने इस स्टेशन को बी ग्रेड स्टेशनों में शामिल किया है। बावजूद यात्रियों की सुरक्षा के प्रति विभाग बेखबर बना है। इस स्टेशन पर न एम्बुलेंस की सुविधा है और न ही फर्स्ट एड की। ऐसी हालत में गंभीर जख्मियों को अस्पताल पहुंचाने में रेल पुलिस की मुश्किलें बढ़ जाती है। बताया जाता है कि रघुनाथपुर से बक्सर रेलवे स्टेशन के बीच उपचार की बेहतर सुविधा नही है। साथ ही बक्सर के रेलवे अस्पताल में भी कोई खास सुविधा नही की गंभीर रोगियों को राहत मिल सके। लोगों का कहना है कि हर दिन कोई न कोई यात्री ट्रेन की चपेट में आकर चोटिल होता है, जिसका इलाज समय पर नही होने से जान तक भी गंवानी पड़ती है। रेलवे स्टेशन पर हादसे की खबर मिलने के बाद स्थानीय स्टेशन के आसपास रहने वाले समाजसेवी सहायता के लिए दौड़ पड़ते है। यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह जख्मियों के इलाज के लिए अपना सबकुछ लगाते है। अस्पताल ले जाने के लिए वाहन, दवा और गंभीर रोगियों के परिजनों को सूचना भेजवाने तक भी काम स्वयं करते है। उन्होंने बताया कि कई बार एम्बुलेंस के आभाव में निजी वाहनों से जख्मी को अस्पताल पहुंचाने में उसकी सांसे टूट जाती है। इस स्टेशन पर हर दिन करीब दस हजार यात्रियों का आवागमन होता है लेकिन सुविधा नदारद है। यात्री कल्याण समिति की माने तो चिकित्सा सुविधा के नाम पर फर्स्ट एड का एक छोटा सा बॉक्स पैनल रूम में रखा गया है ताकि अधिकारियों के आने पर उनकी नजरे इस पर टिकी रहे। जानकार बताते है कि फर्स्ट एड बॉक्स में बैंडेज है तो रुई नही, रुई है तो दवा नही। इस परिस्थिति में जख्मी का प्राथमिक उपचार करना मुश्किल होता है जबकि डुमरांव स्टेशन से अनुमंडल अस्पताल की दूरी दो किलोमीटर है और दुर्घटना के बाद एसएम द्वारा जीआरपी को मेमो देना पड़ता है। इस प्रक्रिया में घंटो गुजर जाते है।

समायोजन की मांग को लेकर बेल्ट्रॉन के डाटा इंट्री ऑपरेटरों का दो दिवसीय हड़ताल शुरू

बक्सर। मंगलवार को बेलट्रान के डाटा इंट्री ऑपरेटरों ने विभागीय समायोजन की मांग को लेकर दो दिवसीय हड़ताल शुरू किया। बता दें कि जिले में बेल्ट्रॉन के माध्यम से सरकार के विभिन्न कार्यालयों में वर्षो से संविदा पर कार्यरत प्रोग्रामर, आशुलिपिक, डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं आई. टी. ब्वाय व गर्ल द्वारा बिहार राज्य डाटा एंट्री ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर संघ एवं राज्य स्तरीय डाटा एंट्री ऑपरेटर एकता मंच के आह्वान पर सरकार के उदासीन रवैया के विरुद्ध जिला इकाई बक्सर के बैनर तले अपने चरणबद्ध आंदोलन के तीसरे चरण में संघ के जिलाध्यक्ष मोहम्मद इमरान खान की अध्यक्षता में दो दिवसीय हड़ताल किया है। इस दौरान डाटा इंट्री ऑपरेटर नगर के बाजार समिति रोड स्थित होम गॉर्ड कार्यालय परिसर में पूरे दिन धरना पर बैठे रहे। धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बीते 5 नवंबर को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन, 6 नवंबर से 11 नवंबर तक अपने कार्यालय में काला बिल्ला लगाकर कार्य करने के बाद अब 28 एवं 29 नवंबर को अपनी मांग विभागीय सेवा समायोजन के समर्थन में जिला प्रशासन बक्सर द्वारा निर्धारित धरना स्थल पर बैठ सरकार के मनमानी का विरोध किया जा रहा है। डाटा एंट्री ऑपरेटर का कहना है कि उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया स्थाई नियुक्ति के अनुरूप ही होता है। किसी भी सरकारी कार्यालय में नियुक्ति के सबसे पहले आवेदन कर सीबीटी परीक्षा में पास होकर टाइपिंग टेस्ट में भी सफल होना पड़ता है। इसके बाद सरकार के आरक्षण रोस्टर के अनुरूप तैयार मेरिट लिस्ट में से विभागवार/कार्यालयवार पदस्थापित किया जाता है एवं डीबीटी व्यवस्था को सफल बनाने के साथ-साथ सरकार का अतिमहत्वपूर्ण कार्यो के साथ ही गोपनीय इत्यादि कार्य भी हम लोगों के द्वारा ही निष्पादित किया जाता है।

अंजनी सरोवर का निरीक्षण कर ईओ ने दिया रास्ता बनाने व टेंट लगाने का निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

2 दिसंबर से जिले में शुरू होने वाले पंचकोशी परिक्रमा की तैयारी तेज हो गई है। बक्सर नगर परिषद क्षेत्र में इस यात्रा के तीन पड़ाव शामिल है। जहां परिक्रमा शुरू होने से पहले ही हर आवश्यक सुविधाओं को बहाल करने को ले नगर परिषद इस वर्ष सक्रिय है। नप की ईओ प्रेम स्वरूपम स्वयं पड़ाव के स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यों के प्रति सक्रियता दिखा रही है। इस क्रम में मंगलवार को कार्यपालक पदाधिकारी प्रेम स्वरूपम ने पंचकोशी परिक्रमा के तीसरे पड़ाव स्थल बड़का नुआंव स्थित अंजनी सरोवर का निरीक्षण किया।

वहीं अंजनी सरोवर पर मौजूद स्थानीय लोगों से आवश्यक कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही मौजूद नगर परिषद के संबंधित कर्मियों को तैयारी से संबंधित आवश्यक निर्देश दिये। कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा परिक्रमा के पड़ाव बडका नुआंव अंजनी मंदिर, अंजनी सरोवर एवं शिव मंदिर सरोवर का भ्रमण किया गया। भ्रमण के क्रम में उक्त स्थलों पर उपस्थित लोगों तथा मंदिर के पुजारियों से व्यवस्थाओं के संबंध में वार्तालाप किया गया। जिसमें कार्यपालक पदाधिकारी के द्वारा मौजूद नप कर्मियों को रास्ता पर रोड़ा एवं राबिस डलवाने, साफ-सफाई करवाने, पेयजल की व्यवस्था करने के साथ टेंट की व्यवस्था करने का निर्देश दिया. जिससे परिक्रमा में शामिल श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पडे। मौके पर उपस्थित नगर प्रबंधक मृत्युंजय सिंह, नरसिंह चौबे, आशुतोष सिंह, नवीन कुमार पाण्डेय एवं सफाई एजेंसी के कर्मी शामिल रहे।

उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय मिले, इसका किया जा रहा प्रयास: संजय कुमार

बक्सर। उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय मिले इसका प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत उपभोक्ता आयोग को और सुदृढ़ किया जा रहा है। उक्त बातें राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष सह न्यायमूर्ति संजय कुमार ने कही। वे मंगलवार की अपराह्न बक्सर उपभोक्ता फोरम का निरीक्षण करने आए थे। वे अपराह्न करीब 3.00 बजे बक्सर पहुंचे तथा बारी-बारी से उपभोक्ता आयोग के न्याय कक्ष, कार्यालय, चैंबर के साथ-साथ पूरे भवन का निरीक्षण किये। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता आयोग को पूरे राज्य में सुदृढ़ किया जाएगा। न्यायमूर्ति ने कहा कि उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा के लिए ही उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि लोगों को अधिक से अधिक जागरूक कर उन्हें न्याय दिलाया जाए। मेडिएशन सेंटर की स्थापना के लिए जिला उपभोक्ता आयोग में पर्याप्त जमीन की कमी को देख न्यायमूर्ति ने जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल को बुलाया तथा इसके लिए स्थान चिन्हित करने को कहा।

व्यवहार न्यायालय के पुस्तकालय भवन में अधिवक्ताओं ने आयोजित किया पुण्यतिथि समारोह, वक्ता बोले...

पूर्व मंत्री जगनारायण त्रिवेदी सूचिता की राजनीति में रखते थे विश्वास

केटी न्यूज/डुमरांव

मंगलवार को बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह अधिवक्ता जगनारायण त्रिवेदी की 14 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। पूण्यतिथि समारोह व्यवहार न्यायालय बक्सर के अधिवक्ताओं द्वारा न्यायालय के पुस्तकालय भवन में जिला अधिवक्ता संघ के बैनर तले आयोजित हुआ था। जिसकी अध्यक्षता बबन ओझा ने व संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद वर्मा ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ बार संघ के अध्यक्ष द्वारा स्व. जगनारायण त्रिवेदी के तैल्यचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। अध्यक्ष के बाद पूर्व अध्यक्ष सूबेदार सिंह व अन्य अधिवक्तागण ने बारी बारी से पुष्पांजलि अर्पित किया। श्रद्धांजलि सभा में अधिवक्ता सरोज उपाध्याय ने पंडित जगनारायण त्रिवेदी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे बहुत ही सरल स्वभाव के एवं व्यवहार कुशल व्यक्ति थे। वे सूचिता की राजनीति में विश्वास रखते थे तथा राजनीति के कीचड़ में कमल के समान खिले रहे। वक्ताओं ने कहा कि वे राजनीति की काली कोठरी में रहने के बावजूद भी पूरी तरह से बेदाग छवि के एवं महात्मा की तरह थे। वहीं, अधिवक्ता राहुल आनंद ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि बक्सर की राजनीतिक धरती पर महर्षि के तौर पर पंडित जगनारायण त्रिवेदी का उदय हुआ था और वे राजनीतिज्ञ नहीं बल्कि एक संत थे। उनको श्रद्धांजलि देने की हैसियत व क्षमता हमसबों की नहीं है। उनके श्री चरणों में पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए हम सभी उपस्थित हुए हैं। आयोजन के दौरान मौजूद तमाम अधिवक्ता, राजनीतिक सामाजिक समेत तमाम गणमान्य लोगों ने पंडित जगनारायण त्रिवेदी के तैल्य चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौजूद लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित करने के दौरान कहा कि पंडित जगनारायण त्रिवेदी ने अपने स्वार्थ के लिए कभी राजनीति नहीं की बल्कि वे हमेशा परोपकार का दामन थामें रहे। उनकी पूरी जिंदगी गरीबों एवं पिछड़ों की सेवा में लगा रहा। उनके पुत्र अनिल कुमार त्रिवेदी ने श्रद्धांजलि सभा में आए सभी लोगों को नमन करते हुए हृदय से आभार व्यक्त किया।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी मनरेगा योजना, मजदूरों को नहीं मिला काम

केटी न्यूज/गाजीपुर

देश के गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए केंद्र की पूर्व सरकार द्वारा मनरेगा योजना को शुरू किया गया था, लेकिन इसे राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक राज्य सरकार एवं वर्तमान की भाजपा सरकार ने भी अपनाया है। इस योजना के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को रोजगार प्रदान किया जाता है। ताकि उन्हें गांव से दूर रोजगार के लिए न जाना पड़े। लेकिन जखनियां ब्लॉक के नब्बे ग्राम पंचायत में कुल मनरेगा जॉब कार्ड 29877 है, जबकि महिला 22313 है। कहीं न कहीं आधी आबादी पर फोकस किया गया। ताकि महिला की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। लेकिन मनरेगा जॉबकार्ड धारकों को गांव में ही 100 दिन गारंटी रोजगार योजना के तहत लोगों को रोजगार नहीं मिला। जिसका नतीजा रहा कि अधिकांश मनरेगा मजदूरों को काम नहीं मिल

सका और गैर प्रांतों में रोजी-रोटी कमा रहे हैं। सीपीएम जिला सचिव विजय बहादुर सिंह ने कहा कि मनरेगा योजना को जिम्मेदार लूट का योजना बना दिए। धरातल पर हकीकत कुछ और है। मनरेगा से बने पंचायत भवन व सामुदायिक शौचालय शो पीस पड़ी है। कुछ ने तो सही बनाया, लेकिन आज भी शो पीस दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष देव नारायण सिंह ने कहा कि देश के सभी राज्यों में संचालित ग्राम पंचायत स्तर पर यह योजना लोगों को बहुत ही सहायता प्रदान कर रही थी। मनरेगा योजना के माध्यम से अब तक देश के करोड़ों नागरिकों को लाभ मिल चुका है। योजना आज बहुत लोगों को पता नहीं चल पाता है। योजना को विधानसभा में सात सितंबर 2005 को पारित किया गया है। इसके बाद 200 जिलों में दो फरवरी 2006 को मनरेगा योजना को शुरू किया गया। मनरेगा योजना को शुरूआत में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, नरेगा कहा जाता था। लेकिन दो अक्टूबर 2009 को इसका नाम बदलकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम कर दिया गया।

मनरेगा योजना विश्व की एकमात्र ऐसी योजना है, जो नागरिकों को 100 दिन के रोजगार की गारंटी देती है। देश के गरीब और बेरोजगार परिवारों को आजीविका के लिए इस योजना का आरंभ किया गया हैं। इस योजना के माध्यम से कमजोर आय वर्ग के लोगों को उनके ग्राम पंचायत में ही रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। जिससे उन्हें पलायन करने से रोका जा सकता है लेकिन वर्तमान सरकार में यह योजना गरीबों को अधिकार नही दिला पाए। आज भी गांव के पंचायत भवन में ग्राम स्तर के अधिकारी नही बैठते जिसका खामियाजा ग्रामीण तहसील ब्लॉक पर आकर भुगत रहे हैं। खेत मजदूर यूनियन जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गौतम ने कहा जो अधिकार मनरेगा के तहत अति दलित समुदाय को मिलना चाहिए वह नही मिला। यह योजना को जेसीबी से कराकर अमीर लोगों के खाते में पैसा भेजकर लूट खसोट किया गया। सपा के वरिष्ठ नेता राम प्रवेश गोड ने कहा भाजपा सरकार मनरेगा कमीशन कीभेट चढ़ गई। मोटी रकम लेकर थर्ड गुणवत्तापूर्व कार्य कराकर ग्रामीणों की सुविधाओं पर चोट पहुंचाई है। आज भी गांव की आधी आबादी बाहर शौच जाने को मजबूर है। बहुत सामुदायिक शौचालय में ताला लटक रहा है।

मनरेगा डीसी ने क्षेत्र पंचायत सदस्यों के साथ की बैठक

गाजीपुर। जखनियां ब्लाक सभागार में मंगलवार को मनरेगा डीसी रामनारायण दुबे ,ब्लॉक प्रमुख इंदु देवी, खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गुप्ता के मौजूदगी में 90 ग्राम पंचायत के क्षेत्र पंचायत सदस्यों की उपस्थिति में मीटिंग आयोजित हुई। प्रदेश सरकार क योजनाओ के बारे में बताया कि शासन के मंशा अनरूप जिन विद्यालयों के कायाकल्प के तहत बाउंड्री वॉल नहीं हो पाई है उसे बाउंड्री वाल को क्षेत्र पंचायत सदस्य द्वारा कराया जाएगा। खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि जल्द दो ग्राम पंचायत को मिलाकर एक अधिकारियों की टीम बैठेगी जिसमे ग्रामीणों की समस्या को तत्काल निस्तारण करने का कार्य किया जाएगा। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख इंदु देवी, रिंकू सिंह, अजीत सिंह मौजूद थे।

एक नजर

खंड विकास अधिकारी ने कस्तूरबा गांधी विद्यालय का किया औचक निरीक्षण, मिली खामियां

गाजीपुर। भुड़कुड़ा थाना क्षेत्र के गौरा खास गांव में स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का मंगलवार को खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गुप्ता ने औचक निरीक्षण कर नौ बिंदुओं पर जांच की। जिसमें तीन बिंदुओं पर खामी पाई गई। जिसको उच्च अधिकारियों को अवगत कारण। इस मौके पर 100 बालिकाओं का पंजीकृत था जिसमें 57 बालिका उपस्थिति पाई गई। आर ओ का पानी पीने योग्य नहीं है। तथा बच्चों को मच्छरों से बचने के लिए खिड़कियां में जाली नहीं लगी है। तथा बच्चों को मीनू के अनुसार भोजन दिया जाता है, साथ ही विद्यालय परिसर में साफ सफाई की व्यवस्था की गई थी। इस विद्यालय में कुल 12 स्टाफ मौजूद है। सबसे बड़ी समस्या बच्चों को शुद्ध पानी पीने और मच्छरों से बचने का कारगर उपाय नहीं की गई है।

छात्राओं ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली, बोलीं- मतदान करेंगे-देश का सम्मान करेंगे

चंदौली। जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज की स्काउट गाइड एवं छात्राओं की ओर से मंगलवार को मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। जिसके तहत छात्राओं ने रैली निकाल कर लोगों को मतदाता होने का एहसास कराया। बच्चे हाथों मे बैनर पोस्टर लेकर चल रहें थे। मत अनमोल है इसका नहीं कोई मोल है, मत हमारा जान से प्यारा, मतदान करेंगे-देश का सम्मान करेंगे, इत्यादि नारों से लोगों को जागरूक कर रहे थे। इस दौरान जिला संगठन आयुक्त अंजू कुमारी ने कहा कि हमें अपने मत का प्रयोग एक अच्छे नेता के चयन के लिए करना चाहिए।हमें अपने मत को कभी भी बेचना नहीं चाहिए, अगर कोई मत आपका खरीद लेगा तो वो कभी भी समाज का विकास नहीं करेगा। वहीं प्रधानाचार्या रीता रानी ने कहा कि हमें अपने मत के प्रति जागरूक होकर समाज को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

जिला कागाकार का अपर जनपद न्यायाधीश सुरेन्द्र प्रसाद ने किया औचक निरीक्षण

बलिया। जिला कागाकार का अपर जनपद न्यायाधीश सुरेन्द्र प्रसाद ने मंगलवार को शाम चार बजे औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किशोर बैरक सहित समस्त बैरकों का निरीक्षण कर किया। इसके अलावे बंदियों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनी। आपको बताते चले कि निरीक्षण के दौरान अपर जनपद न्यायाधीश ने बंदियों की छोटी-छोटी समस्याओं पर ध्यान देते हुए, उन्हें सुना। उनके समस्याओं का तुरन्त निराकरण करने के लिए जेलर को निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जेलर को यह भी निर्देशित किया गया कि जिला कारागार में निरूद्ध ऐसे बन्दी जिनकी जमानत न्यायालय द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है, किन्तु किन्ही कारण से रिहा नही हो सके हैं, ऐसे बन्दियों का विवरण जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रेषित करें। कुछ बन्दियों ने बताया कि उनके मुकदमें की पैरवी हेतु अधिवक्ता नही है, इस संबंध उन्होंने जेलर से कहा कि जिन बन्दियों के पास अपने मुकदमें की पैरवी के लिए अधिवक्ता उपलब्ध नही है, उनसे प्रार्थना पत्र लेकर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया को प्राप्त करवाना सुनिश्चित करें।

सपा शिक्षक सभा के विधानसभा अध्यक्ष का कार्यकताओं ने किया भव्य स्वागत

गाजीपुर। जखनियां रेलवे स्टेशन परिसर में मंगलवार को सायंकाल समाजवादी शिक्षक सभा के जखनियां विधानसभा अध्यक्ष संतोष यादव को बनाए जाने के बाद जखनियां पहुंचने पर कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। लोगों ने माला पहनकर मिष्ठान वितरित कर स्वागत किया। इस मौके पर जखनियां विधानसभा अध्यक्ष समाजवादी शिक्षक सभा के संतोष यादव ने कहा कि शिक्षा के बिना लोगों का जीवन अधूरा है। हर लोगों को शिक्षा के प्रति बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने कहा की पुरानी पेंशन की बहाली को लेकर लगातार कर्मचारियों द्वारा आंदोलन किया जा रहा है, लेकिन वर्तमान की सरकार ऐसे कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। किसी भी कर्मचारी का पेंशन बुढ़ापे की लाठी की तरह है। सरकार को चाहिए कि पुराने पेंशन बहाल कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि वित्त विहीन शिक्षकों का पुराने रुके हुए मानदेय को तत्काल बहाल कर दिया जाए।

खबरें फटाफट

पहाड़ों पर बर्फबारी से 5 डिग्री गिरा पारा

चंदौली। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी की वजह से मैदानी क्षेत्र की हवा बर्फीली हो गई है। चंदौली और वाराणसी में सुबह और रात में कोहरा भी नजर आने लगा है। हवा में नमी के कारण दिन में धूप का असर भी कम होता जा रहा है। करीब एक सप्ताह के अंदर न्यूनतम तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। बता दें कि पहाड़ी इलाकों में पिछले एक सप्ताह से बर्फबारी हो रही है। यही वजह है, कि मैदानी इलाकों में मौसम ने तेजी से करवट ली है। मंगलवार को अन्य दिनों की तुलना में रात में ठंड ज्यादा रही। मौसम विभाग के अनुसार चंदौली में मंगलवार को अधिकतम तापमान 29 .0 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 11 .2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जो कि औसत से करीब 2 डिग्री सेल्सियस कम है। वही बदलते मौसम को लेकर काशी हिंदू विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव बताया कि अभी तापमान में गिरावट के आसार हैं। आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट दर्ज होगी।

सुल्तानपुर गांव में सर्प दंश से एक किसान की मौत

बलिया। बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में मंगलवार की दोपहर एक किसान की मौत सर्प दंश से हो गयी। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। आपको बताते चले कि सुल्तानपुर गांव निवासी 50 वर्षीय बालेश्वर राजभर गांव के बाहर खेत में सिंचाई कर रहे थे। इसी दौरान किसी विषैले सर्प ने उन्हें दंश लिया। जिससे वे अचेत हो गये। यह देख अगल बगल के खेतों में कार्य कर रहे अन्य किसानों ने आनन फानन में बालेश्वर को एक निजी चिकित्सक के पास ले गए। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

इंटर कालेज के प्रवक्ता की ट्रेन से कटकर मौत

मऊ। मुहम्मदाबाद गोहना में स्थानीय रेलवे स्टेशन के पूर्वी फाटक के पास रेल ट्रैक पार करते समय आजमगढ़ कोलकाता एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से मंगलवार को सुबह नौ बजे इंटर कॉलेज के प्रवक्ता की मौके पर ही मौत हो गई। मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के भांटीखुर्द गांव निवासी अनिल सिंह (50) पुत्र वकील सिंह चिरैयाकोट कस्बा के राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में नागरिक शास्त्र के प्रवक्ता थे। रोज की भांति वह सुबह 9 बजे कालेज जाने के लिए निकले थे। स्थानीय रेलवे स्टेशन के पूर्वी फाटक के सामने चिरैयाकोट जाने वाले गाड़ियों का स्टैंड है। सामने चिरैयाकोट के लिए जाने वाली बस को जाता देखकर अनिल सिंह तेजी से क्रॉसिंग पार करने के प्रयास में वहां लगे तार में उलझकर ट्रैक पर गिर गए। इसी बीच आजमगढ़ से कोलकाता जाने वाली ट्रेन की चपेट में जाकर मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वह काफी मिलनसार और कुशल व्यवहार वाले व्यक्ति थे।

मऊ कलेक्ट्रेट भवन परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न

एक मंडप के नीचे 217 जोड़े हुए एक दूजे के, सभी ने साथ निभाने की खाईं कसमें

♦ जिला महामंत्री बोले- बेटी की शादी के लिए 51000 का अनुदान दिया जा रहा है, इस धनराशि को एक लाख तक करने का प्रयास प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है

केटी न्यूज/मऊ

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत कलेक्ट्रेट परिसर में जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय के नेतृत्व में 217 जोड़ों की एक पंडाल में एक साथ शादी कराई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ तथागत गौतम बुद्ध एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज कुमार राय ने अपने संबोधन में बताया कि 2017 में भाजपा की सरकारउत्तर प्रदेश में बनी तो सबसे पहले समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाने का प्रयास किया गया। इसमें मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह मुख्य रूप से गरीब परिवार की बेटियों के लिए बताया। उन्होंने बताया कि एक पंडाल में इतनी बड़ी संख्या में विवाह का आयोजन किया जाना बहुत ही बड़ा कार्य है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही संचालित योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है। जिला अध्यक्ष भाजपा नूपुर अग्रवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आर्थिक रूप से गरीब परिवार की बेटियों की शादी कराई जा रही है। उन्होंने सभी जोड़ों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया।

जिला महामंत्री सुनील गुप्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार के विशेष प्रयास से कन्या विवाह कराया जा रहा है। वर्तमान समय में बेटी की शादी के लिए 51000 का अनुदान दिया जा रहा है। आने वाले समय में इस धनराशि को एक लाख तक करने का प्रदेश सरकार द्वारा प्रयास किया जा रहा है। जिला समाज कल्याण अधिकारी अनुज कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 35000 की धनराशि कन्या के खाते में भेजी जाती है, तथा 10000 की धनराशि से बर्तन, पायल, पंखा, ट्रॉली बैग, घड़ी, साड़ी इत्यादि सामग्री दी जाती है। 6000 की धनराशि से टेंट, सजावट एवं खानपान इत्यादि इस तरह से कुल 51000 की धनराशि एक जोड़े पर प्रदेश सरकार द्वारा खर्च किया जा रहा है। समाज कल्याण अधिकारी द्वारा नव विवाहित जोड़ों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पंजीकृत कलाकार बृजराज चौहान एवं मंजू सरोज द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह, उपयुक्त स्वतः रोजगार/खंड विकास अधिकारी परदहां सरिता गुप्ता, वरिष्ठ लिपिक परदहां राजेश कुमार, लेखाकार समाज कल्याण अरुण कुमार सहित समस्त एडीओ पंचायत समाज कल्याण सहित संबंधित कर्मचारी एवं हजारों की संख्या में दूल्हा दुल्हन के अभिभावक उपस्थित रहे।

पांच मुस्लिम समुदाय के जोड़े भी वैवाहिक बंधन में बंधे

समाज कल्याण अधिकारी अनुज कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के लिए जनपद को 1300 जोड़ों की शादी के लिए लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसके सापेक्ष में 232 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें 15 लाभार्थी अनुपस्थित रहे। इस तरह से 217 जोड़ों की शादियां कराई गई। उन्होंने बताया कि विकास खंड परदहां से 14, कोपागंज से 13, घोसी से 33, दोहरीघाट से 29 फतेहपुर मंडाव से 30, रतनपुर से 28, रानीपुर से 23 मोहम्मदाबाद गोहाना से 30 तथा नगर पंचायत अमिला से 03, कोपागंज से 02, मऊनाथ भंजन से 11 एवं नगर पंचायत घोसी से 01 इस तरह से कुल 217 जोड़ों की शादी करायी गई। जिसमें पांच जोड़े मुस्लिम समुदाय के रहे।

30 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्करों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/बलिया

दोकटी थानाध्यक्ष मदन पटेल व उपनिरीक्षक जयप्रकाश के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आज मंगलवार को सुबह 11 बजे के लगभग कृष्णा नगर ढ़ाला पर से ट्रैक्टर पर लाद कर तस्करी कर बिहार ले जा रहे 30 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने ट्रैक्टर, ट्राली व अंग्रेजी शराब की पेटियों को कब्जे में लेकर दोकटी थाने लाकर संगत धाराओं में कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय के लिए चालान कर दिया।

दोकटी थानाध्यक्ष मदन पटेल ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कृष्णा नगर ढ़ाला पर पहुंच बिहार की तरफ जा रहे ट्रैक्टर को रोका गया। ट्रैक्टर ड्राइवर और दो लोग ट्रैक्टर पर सवार थे। जो पुलिस को देख भागने लगे। जिसमें से एक भागने में सफल रहा। जबकि दो लोगों को पुलिस टीम के सदस्यों ने दौड़कर पकड़ लिया। ट्रैक्टर की ट्राली में 30 पेटियों में 180 एमएल वाली 1440 शीशी 8ढट स्पेशल ब्रांड ऑफिस स्कॉच एंड इंडियन ग्रीन व्हिस्की बरामद हुई। जिसका बाजार में मूल्य लगभग साढे तीन लाख बताया गया। पूछताछ में पकड़े गए अभियुक्त तो ने अपना नाम अमन राजभर निवासी चिंतामणपुर थाना रसड़ा तथा दीपक कुमार सिंह निवासी जाम थाना रसड़ा बताया। भागे व्यक्ति का नाम बृजेश कुमार यादव निवासी मोकलपुर थाना रसड़ा है।

गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक ने स्कूली बच्चों को पढ़ाया यातायात नियमों का पाठ... बोले- जान है, तो जहान है

केटी न्यूज/गाजीपुर

पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा यातायात नियमों के प्रति जागरूकता के लिए आरटीओ कार्यालय के पास स्थित सेंट जॉन स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम के तहत बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। उन्हें इन नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। बच्चों द्वारा यातायात नियमों से संबंधित सवाल भी पुलिस अधीक्षक से किया गया जिसका जवाब महोदय द्वारा दिया गया।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न पुलिस हेल्पलाइन नंबरों 112, 1090, 1098, 1076 को वहां उपस्थित छात्र -छात्राओं को बताया गया तथा उसके प्रति जागरूक किया गया। साइबर अपराध तथा उससे बचने के उपायों एवं सोशल मीडिया का उपयोग सावधानी पूर्वक करने के लिए भी बच्चों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर, टीएसआई तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मतदाता जागरुकता कार्यक्रम

निर्वाचन साक्षरता बढ़ाने के लिए लोगों को जागरूक करें विद्यार्थी: एसडीएम

केटी न्यूज/चंदौली

लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय दीनदयाल उपाध्याय नगर के पं पारसनाथ तिवारी नवीन परिसर में मंगलवार को स्वीप योजना के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य अतिथि विराग पाण्डेय, प्राचार्य प्रो उदयन, प्रो संजय, संजय शर्मा, सचिन कुमार सिंह एडुलिडर ग्रुप ने दीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती की प्रतिमा पर

माल्यार्पण किया। उपजिलाधिकारी विराग पाण्डेय ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा नये मतदाताओं के नाम को मतदाता सूची में जोड़ने के लिए ये कार्यक्रम आयोजित किया गया है।उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से छात्र छात्राएं निर्वाचन साक्षरता बढ़ाने हेतु समाज को जागरूक करेंगे। इस योजना के द्वारा निर्वाचन साक्षरता क्लब की स्थापना महाविद्यालय अपने स्तर पर कर लें। निर्वाचन साक्षरता क्लब के सदस्य निर्वाचन साक्षरता क्लब में शामिल विद्यार्थी को जिम्मेदारी देते हुए कहा कि 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष उम्र पूरा करने वालों को प्रेरित कर उनसे फार्म 6 भरवाने के साथ अपने गांव व शहर के लोगों को मतदाता बनने के लिये प्रेरित करना होगा। साथ ही मतदान के दिन अधिक से मतदान के लिए प्रोत्साहित करना होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 से भारत के निर्वाचकों को सजग करने और उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित बुनियादी जानकारी से लैस करने की दिशा में निर्वाचन आयोग कार्य कर रही हैं।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो उदयन मिश्र, प्रो संजय पाण्डेय, संजय शर्मा, सचिन कुमार सिंह एडुलिडर ग्रुप ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन प्रो अमित राय ने किया।